

मैटमट कर रह जा रही है।
कर्मचारियों ने कंपनी के मौजूदा पे-
साइल (प्रारंभिक) ढांचे पर गंभीर
आवाज उठाए हैं। उन्होंने मांग की है
कि पांच किलोमीटर तक की दूरी के
लिए मिलने वाले 35 या 37 रुपये
की बढ़ावा 50 रुपये फिक्स किया
जाए। इससे साथ ही एक किलोमीटर
के दायरे में होने वाली डिलीवरी के
लिए न्यूनतम 20 रुपये का भुगतान
सुनिश्चित हो। कर्मचारियों का यह भी
आरोप है कि पांच किलोमीटर से
अधिक दूरी की डिलीवरी पर कंपनी
फिलहाल 12 से 13 प्रति किलोमीटर
की दर से भुगतान कर रही है, जिसे
बढ़ाकर 20 रुपये प्रति किलोमीटर
किया जाना चाहिए।

BRIEF NEWS

एक जुलाई से सारण के नौ प्रखंडों में चलेंगे नए डिग्री कॉलेज

SARAN : सात निश्चय तौन के तहत जिले के उच्च शिक्षा विहीन प्रखंडों के युवाओं के लिए एक राहत भरी खबर है। आगामी 1 जुलाई से जिले के उन सभी 9 प्रखंडों में डिग्री कॉलेजों का संचालन अनिवार्य रूप से शुरू हो जाएगा, जहाँ अब तक एक भी डिग्री कॉलेज नहीं था। इस महत्वपूर्ण निर्णय को ध्यतल पर उतारने के लिए जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले के 11 प्रखंडों में पहले से ही डिग्री कॉलेजों का संचालन हो रहा है। शेष बचे 9 प्रखंडों तरैया, मकेर, एकमा, दरियापुर, मढ़ौरा, मगरख, लहलादपुर, पानापुर एवं इसुआपुर में नए शैक्षणिक सत्र को समय पर शुरू करने के लिए तात्कालिक वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इसके तहत उपयुक्त विद्यालय भवनों के कमरों को चिन्हित किया जा चुका है जहां अस्थाई रूप से कॉलेज चलाए जाएंगे।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने सभाला पदभार

PATNA : भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, बिहार प्रदेश के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने बुधवार भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, मोर्चा के नेताओं तथा विभिन्न जिलों से पहुंचे हजारों कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है, वह केवल एक पद नहीं बल्कि संगठन और समाज के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा पिछड़े, अति पिछड़े और वंचित वर्गों के सम्मान, सशक्तिकरण और विकास को प्राथमिकता दी है।

सारण में मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती

SARAN : नगरा प्रखंड क्षेत्र के फिरोजपुर गांव में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक 25 वर्षीय युवती ममता कुमारी अचानक गांव के मोबाइल टावर पर चढ़ गईं। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही प्रशासन तुरंत हरकत में आया। नगरा बीडीओ अनुभव कुमार और खेरा थानाध्यक्ष अखिलेश पासवान जनप्रतिनिधियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और युवती को समझाने का प्रयास शुरू किया। ग्रामीणों के अनुसार, युवती का गांव के ही एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। बुधवार को ही उस युवक की शादी होने वाली थी, जिससे आहत होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। कई घंटों की कड़ी मशक्कत और अधिकारियों द्वारा उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद युवती आखिरकार सुरक्षित नीचे उतरी, तब जाकर प्रशासन और परिजनों ने राहत की सांस ली।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने की उद्योग विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा, कहा- औद्योगिक विकास से समृद्धि के रास्ते पर बढ़ेगा प्रदेश

AGENCY PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प साभागार' में उद्योग विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने राज्य के औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन, रोजगार सृजन और आधारभूत संरचना के विस्तार को लेकर अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि औद्योगिक विकास ही बिहार को समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ाएगा और इसके माध्यम से राज्य की आर्थिक एवं सामाजिक तस्वीर बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य बिहार को उद्योग, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। इसके लिए बड़े पैमाने पर औद्योगिक ढांचे का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में 11 मेगा इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित किए जाएं तथा सभी 38 जिलों में फूड पार्क

स्टार्टअप ईकोसिस्टम को करें मजबूत

बैठक में मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप ईकोसिस्टम को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं की नवाचार क्षमता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देकर नए रोजगार अवसर पैदा किए जा सकते हैं। स्टार्टअप को वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन और बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने उद्योगों के लिए भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी जिलों के जिलाधिकारी भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों में स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित करें और उन्हें उनकी भूमि का उचित मूल्य देकर सहमति प्राप्त करें। इससे विकास परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब नहीं होगा। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि नई औद्योगिक इकाइयों को सरकार द्वारा घोषित प्रोत्साहन राशि और अन्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।



मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। इससे कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि राज्य में 50 हजार एकड़ का लैंड बैंक तैयार किया जाए। निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक भूमि की उपलब्धता होती

है, इसलिए सरकार को इस दिशा में ठोस और दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भूमि चिह्निकरण और अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार को निवेशकों के लिए एक आकर्षक और भरोसेमंद गंतव्य के रूप में विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्राकृतिक संसाधनों, मानव

संसाधन और बाजार की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने और उद्योगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। उन्होंने अधिकारियों को उद्योगपतियों, औद्योगिक संगठनों और उद्यमियों के साथ नियमित संवाद स्थापित करने तथा उनके सुझावों के आधार पर नीतिगत सुधार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि

प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाएगा। मिथिलेश तिवारी ने बताया कि सरकार सभी कॉिंग संस्थानों के लिए एक व्यापक 'मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट' (आचार संहिता) तैयार करेगी। इस आचार संहिता में कॉचिंग संस्थानों के संचालन, विज्ञापन, छात्र नामांकन, परीक्षा परिणामों के उपयोग और प्रचार-प्रसार के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि कई बार परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विभिन्न संस्थानों के बीच सफल छात्रों को अपना छात्र बताने और श्रेय लेने की होड़ मच जाती है। इस तरह की गतिविधियों से छात्रों और अभिभावकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है। सरकार ऐसे मामलों पर कानूनी नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में काम करेगी।

तीन महीने में बनेगी नई कोचिंग नीति, अराजकता और भ्रामक प्रचार पर लगेगी रोक : मिथिलेश तिवारी

AGENCY PATNA : राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक खान सर के रोलबल कोचिंग सेंटर में हुई तोड़फोड़, मार्केट और हंगामे की घटना के बाद बिहार सरकार कोचिंग संस्थानों के संचालन को लेकर सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। राज्य के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि सरकार अगले तीन महीने के भीतर कोचिंग संस्थानों के लिए एक नई नीति लागू करेगी, जिसके तहत इनके संचालन, प्रचार-प्रसार और जवाबदेही से जुड़े स्पष्ट नियम निर्धारित किए जाएंगे। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहयोग शिबिर के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य कोचिंग संस्थानों में पारदर्शिता और अनुशासन स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि नई नीति के माध्यम से



लोगों से बात करते शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी

तीन लोग गिरफ्तार, पुलिस जांच जारी

बिहार की राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक खान सर की कोचिंग पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में ज्ञान बिंदु कोचिंग के संचालक रोशन आनंद तथा उनके दो सहयोगी अभिषेक और गौरव शामिल हैं। पुलिस तीनों से लगातार पूछताछ कर रही है और मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान मिले महत्वपूर्ण सुरागों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रोशन आनंद तथा उनके दोनों सहयोगियों को हिरासत में लिया गया था। बाद में पूछताछ और साक्ष्यों की पुष्टि होने के बाद तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया।

कोचिंग संस्थानों की कार्यप्रणाली को भी प्रकार की अराजकता, षड्यंत्र, व्यवस्थित किया जाएगा तथा किसी

भी प्रकार की अराजकता, षड्यंत्र, भ्रामक प्रचार या अव्यवस्था पर

आठ घंटे में लूटकांड का खुलासा, दो अरेस्ट

AGENCY BHAGALPUR : जिले के सबौर थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना का पुलिस ने महज आठ घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से लूटी गई चांदी की चेन बरामद कर ली गई है, जबकि घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। उक्त आशय की जानकारी बुधवार को सिटी एसपी शलेंद्र सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान दी। सिटी एसपी ने बताया कि 2 जून को सबौर थाना में सूचना प्राप्त हुई थी कि नाथनगर से हबीबपुर जा रहे एक व्यक्ति को राजपुर बहियान के समीप तीन बाइक सवार अपराधियों ने घेर लिया और उससे चांदी की चेन, मोबाइल फोन तथा नकदी लूटकर फरार हो गए।



जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी अनुसंधान, सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान की। इसके बाद विशेष छापेमारी अभियान चलाकर घटना में शामिल तीन अपराधियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान अमन

कुमार और विनोद पासवान के रूप में हुई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि अमन कुमार का पूर्व से अपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ आम्स एक्ट सहित चोरी के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर लूटी गई चांदी की चेन बरामद कर ली है तथा घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है।

सड़क हादसे में घायल ट्रक चालक की मौत

BHAGALPUR : सड़क दुर्घटना में घायल बांका जिले के बेलहर थाना क्षेत्र के तेलडीहा गांव निवासी नंदलाल साह की बुधवार को मायावती अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। नंदलाल साह पेशे से ट्रक चालक थे और 29 मई को गिट्टी लोड कर ट्रक लेकर जा रहे थे। इसी दौरान सराय किला पेट्रोल पंप के पास उन्होंने अपना ट्रक खड़ा किया था और ट्रक में बैठे हुए थे। तभी सामने से आ रहे एक ट्रक ने उनके ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में नंदलाल साह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें बेलहर रेफरल अस्पताल पहुंचाया।

भारत-नेपाल सीमा पर 1665 किलो यूरिया खाद सहित 9 बाइकों को किया गया जब्त

AGENCY EAST CHAMPARAN : भारत-नेपाल सीमा पर 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से नेपाल ले जाई जा रही 1665 किलोग्राम यूरिया खाद और 9 मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। इस दौरान एक नेपाली नागरिक समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। एसएसबी की आसूचना शाखा को सूचना मिली थी कि बलुआ गांव के पास से कुछ लोग भारत से नेपाल अंधेध सामान भेजने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए बीओपी झाड़रा की दो टीमों को संयुक्त नाका इव्यूटी पर तैनात किया गया। कार्रवाई में एक टीम का नेतृत्व सहायक उप निरीक्षक



जब्त की गई यूरिया खाद व बाइकें

(जीडी) मानस बोरह और दूसरी टीम का नेतृत्व एसओटी कर्मांडर सहायक उप निरीक्षक (जीडी) कुलबीर सिंह कर रहे थे। दोनों टीमों ने सीमा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की। रात करीब 1:15 बजे सीमा स्तंभ संख्या 361/12 से लगभग 500 मीटर भारतीय क्षेत्र में नाका पार्टी ने 9-10 लोगों को

मोटरसाइकिलों पर सामान लेकर नेपाल की ओर जाते देखा। जवानों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन एसएसबी को देखते ही सभी तस्कर बाइक और सामान छोड़कर भागने लगे। एसएसबी जवानों ने पीछ कर दो तस्करों को पकड़ लिया, जबकि अन्य तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर नेपाल की ओर भागने में सफल रहे।

सराहनीय

जीविका दीदियों ने इस सीजन में एक लाख किलो का किया उत्पादन

महानंदा लीफ चायपत्ती बन रही किशनगंज की पहचान

AGENCY KISHANGANJ : बिहार में किशनगंज जिले की जीविका दीदियों द्वारा संचालित महानंदा टी फैक्ट्री जिले की नई पहचान बनती जा रही है। इस सत्र में अब तक फैक्ट्री में एक लाख किलो महानंदा लीफ चायपत्ती का उत्पादन किया जा चुका है। इसके लिए करीब 5 लाख 22 हजार किलोग्राम हरे चाय पत्ते की खरीद किसानों से की गई है। महानंदा जीविका महिला एग्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (एफपीसी) द्वारा पोठिया स्थित टी प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग इकाई में चाय उत्पादन का कार्य किया जा रहा है। बुधवार को जीविका की जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम)



महानंदा टी फैक्ट्री में काम करती जीविका दीदी

अनुराधा चंद्रा ने बताया कि एफपीसी के निदेशक मंडल ने इस सीजन 10 लाख किलो चायपत्ती उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीविका दीदियों द्वारा उत्पादित महानंदा

लीफ चायपत्ती अब किशनगंज की पहचान बन रही है। पिछले सीजन में फैक्ट्री में डेढ़ लाख किलो चायपत्ती का उत्पादन हुआ था, जिसकी पूरी बिक्री हो चुकी है। उन्होंने कहा कि चायपत्ती की बिक्री जीविका सामुदायिक

संगठन, संकुल संघ, किसान उत्पादक समूह और ग्रामीण बाजारों के माध्यम से की जा रही है। इसके अलावा महानंदा लीफ चायपत्ती ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अमेजन पर भी उपलब्ध है। पिछले सीजन में चायपत्ती बिक्री से करीब 2.83 करोड़ रुपये की आय हुई थी। फैक्ट्री के संचालन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। वर्तमान में इकाई में 45 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है, जिनमें 21 महिलाएं और 24 पुरुष शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कर्मियों को 10 हजार से 40 हजार रुपये तक मासिक वेतन दिया जा रहा है। एफपीसी से जुड़े करीब 1800

किसानों से चाय पत्तों की खरीद की जा रही है। 45 किसान संग्रहकों के माध्यम से पत्ते फैक्ट्री तक पहुंचाए जाते हैं और किसानों को सात दिनों के भीतर भुगतान उनके बैंक खातों में कर दिया जाता है। बिहार सरकार ने अप्रैल 2025 में पोठिया स्थित टी प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग इकाई का संचालन जीविका को सौंपा था। इसके बाद महानंदा जीविका महिला एग्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा है, जिससे किसानों की आय बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को भी नई मजबूती मिली है।

छपरा में पारा विधिक स्वयंसेवकों के चयन के लिए साक्षात्कार 8 को

SARAN : जिला विधिक सेवा प्राधिकार सारण द्वारा पारा विधिक स्वयंसेवकों के चयन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्राधिकार के सचिव से मिली जानकारी के अनुसार प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के बाद साक्षात्कार का पूरा कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। योग्य अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आठ जून से प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से जिला विधिक सेवा प्राधिकार छपरा परिसर में आयोजित किया जाएगा। साक्षात्कार से जुड़ी विस्तृत सूचना और पात्र अभ्यर्थियों की सूची कार्यालय के सूचना पट्ट पर चिपका दी गई है। सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर अपने आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

सारण पुलिस के विशेष अभियान में 19 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

AGENCY SARAN : वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देश पर जिले में अपराध नियंत्रण, असामाजिक तत्वों की धरपकड़ और शराबबंदी कानून को कड़ाई से लागू करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। पिछले 24 घंटों में की गई इस त्वरित कार्रवाई के दौरान पुलिस ने विभिन्न मामलों में सैलान कुल 19 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से चार को शराब का सेवन करने और एक आरोपी सुमित कुमार, दिधवारा को शराब के अवैध कारोबार में सल्लिप्त रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय द्वारा जारी वारंट के आधार पर दो



महिला अभियुक्तों सहित कुल दस वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं हत्या के प्रयास के मामलों में वांछित 3 आरोपियों अनिप मिश्रा, अमलेश महतो और नंदलाल राय को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने सघन छापेमारी कर कुल 556.95 लीटर अवैध शराब बरामद की, जिसमें 89 लीटर देशी और 467.95 लीटर विदेशी शराब शामिल है। इसके अलावा, कार्रवाई में एक चार पहिया वाहन, एक नाव और एक अपहता को भी सकुशल बरामद किया गया है।

ओ मेरे सोना रे, सोना रे, सोना रे...

इन दोनों अगर सबसे ज्यादा चर्चा किसी चीज की हो रही है तो वो है सोना। मेरा मतलब नौद से नहीं, बल्कि धातु कहे जाने वाले सोने से है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी जी ने लोगों से अपील की है कि लोगबाग एक साल तक सोना ना खरीदें, ताकि देश की धनराशि में बचत हो सके। कई लोगों ने उनके सुझाव पर अमल भी शुरू कर दिया, लेकिन अपने देश में तो बच्चा पैदा होने से लेकर मरने तक में सोने की जरूरत पड़ती है। ऐसा कौन सा आयोजन है, जिसमें सोना ना लगता हो। आज से नहीं, पुरातन काल से सोने के प्रति लोगों में जबरदस्त आकर्षण रहा है। लोग बात कहते थे कि सोना खरीद लो वक्त जरूरत पर काम आएगा, क्योंकि सोना ही एक ऐसी चीज है, जो आधी रात को भी बिक जाती है या फिर उसको गिरवी रखकर सुनार से या साहूकार से नकद पैसा मिल सकता है। महिलाओं को तो सोना विशेष कर ज्यादा ही पसंद है। उनके सारे जेवरगत सोने के ही बने रहते हैं। आजकल वैसे सोने की तर्ज पर बेटेक्स के कुछ नकली जेवरगत भी मार्केट में अवेलेबल हैं, लेकिन हर महिला चाहती है कि वो असली खरे सोने के जेवरगत पहने। दक्षिण भारत में तो सोने के प्रति अगाध प्रेम है। दस-दस तोले वाली चेन पहनने का रिवाज है। महिलाएं भी भारी-भरकम जेवरगत अपने शरीर पर धारण करती हैं। सोने का कितना महत्व है, इस पर गीतकारों ने भी कई गीत रचे हैं। चाहे वो मेरा गांव मेरा देश का सोना लई जा रे चांदी लई जा रे गीत हो या फिर बाँबी का ना मांगू सोना- चांदी, ना मांगूं हीरा-मोती या फिर राजा हिंदुस्तानी का कितना सोना तुझे रब ने बनाया या फिर बहुत पुरानी देवानंद की फिल्म माया का कोई सोने के दिल वाला कोई चांदी के दिल वाला या फिर गोविंदा और करिष्मा की फिल्म हीरो नंबर वन का सोना कितना सोना है सोने जैसा तेरा दिल। गजलों में भी सोने का जबरदस्त प्रयोग हुआ। पंकज उदास की एक बहुत मशहूर गजल आज भी उतनी ही मशहूर है जितनी पहले थी। चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल, एक तू ही धनवान है गोरी, बाकी सब कंगाल और सही बात है, जिसके पास सोना होता है, वही धनवान होता है, क्योंकि सोने के दाम तो हमेशा बढ़ते ही आए हैं और रुपया हमेशा गिरता रहा। यही कारण है कि बड़े-बूढ़े सोना खरीदने की सलाह देते रहते हैं। पता तो ये लगा है कि अपने भारत के घरों में ही लगभग पच्चीस हजार टन से लेकर पचास हजार टन सोना रखा हुआ है। मंदिरों की तो बात ही छोड़ दो। मकबूबा भी कई बार अपने आशिक को सोने के रूप में देखती है और यही कारण है कि फिल्म तीसरी मंजिल में शम्मी कपूर को देखकर आशा परेख गाती हैं- ओ मेरे सोना रे, सोना रे, सोना रे, दे दूंगी जान जुदा मत होना ये। यह बात उस जमाने में सही होगी शम्मी कपूर के लिए, लेकिन आज ये बात पूरी तरह से महिलाओं पर लागू है, जो सोने से कह रही हैं कि दे दूंगी जान जुदा मत होना रे। प्रधानमंत्री जी की अपील पर कौन कितना ध्यान देता है, यह देखना अभी दिलचस्प होगा, क्योंकि सोने के प्रति मोह को इतनी जल्दी कम करना बड़ा कठिन काम है और दूसरी बात ये भी है कि सोना एक ऐसी चीज है, जिसके दाम हमेशा बढ़ते ही आए हैं। एक सूचना के अनुसार पिछले 600 साल का रिकॉर्ड यही बताता है कि सोने के दामों में कभी कमी नहीं आई और अब तो सोना इंटीएफ में भी खरीदा जा सकता है यानी अपने पास रखने की जरूरत नहीं है अपना डिमैट अकाउंट खोलो, सोना खरीदो और सोना बेचो। दिल्ली महाराष्ट्र, तेलंगाना और हरियाणा कैडर समेत देशभर के 50 के लगभग आईएसएस और आईपीएस अधिकारियों ने अप्रैल 2022 में एक ही पंजीकरण दस्तावेज के माध्यम से एक ही दिन में भोपाल के पास गुराडी घाट एरिया में 2.023 हेक्टेयर (लगभग पांच एकड़) कृषि भूमि खरीदी। जमीन की इस खरीद को अचल संपत्ति विवरण (आर्बीआर) में समान विचारधारा वाले अधिकारियों द्वारा अधिग्रहित संपत्ति के रूप में वर्णित किया गया। खिचारे के महज 16 महीने बाद अगस्त 2023 में 3200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पश्चिमी बाईपास परियोजना को मंजूरी मिली, जिसका प्रस्तावित मार्ग कथित तौर पर उस भूमि से गुजरता है। कहा जाता है कि खरीद के समय यह जमीन कृषि योग्य भूमि के रूप में नामित थी, मगर प्रदेश सरकार द्वारा बाईपास को मंजूरी देने के 10 महीने के भीतर ही इसे आवासीय क्षेत्र में परिवर्तित कर दिया गया। दो साल से भी कम समय में सरकार द्वारा अनुमोदित बाईपास और भूमि उपयोग परिवर्तन के कारण इस जमीन का बाजार मूल्य 11 गुना बढ़ कर 5.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 60 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। अब आप ही बताइए इसे राष्ट्रभक्ति की शपथ के साथ सिविल सेवा में आने वाले इन तथाकथित समान विचारधारा वाले अफसरों की दूरदृष्टि न कहे तो और क्या कहेंगे। योजना, समय रहते पहचान लिया। अब सरकार ने वहीं से बाईपास योजना को मंजूरी दे दी तो हम क्या करें। कुछ नादान इसे पद और सत्ता का घोर दुरुपयोग और घोटाळा बता रहे हैं। कह रहे हैं कि राजनेताओं को तो फिर भी हर पांच साल में चुनाव का सामना करना पड़ता है। सिविल सेवा अफसरों को तो बिना किसी वास्तविक जवाबदेही के आजीवन सत्ता सुख का वरदान प्राप्त है। अपना भला करने की कोशिश भी कोई अपराध है भला और जो खुद का भला नहीं कर पाया, वो जनता का भला कैसे करेगा। ऐसे में उनकी दूरदृष्टि को घोटाळा जैसे घटिया शब्द से तौलना कहाँ का ईसाफ है।

ANALYSIS



✍ विनोद कुमार सिंह

भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश बन चुका है, लेकिन विडंबना यह है कि अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल भारत आयात करता है। यही नहीं, घरेलू एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत भी आयात के माध्यम से पूरी होती है। इन आयातों का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुँचता है। इसलिए जैसे ही पश्चिम एशिया में संघर्ष या तनाव बढ़ता है, उसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगता है। भारत ने समय रहते ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीतिक कदम उठाए हैं। देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों का रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त लगभग 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक तथा पर्याप्त नेचुरल गैस भंडारण भी मौजूद है। सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति श्रृंखला सामान्य रूप से कार्य कर रही है। हालाँकि सरकार की इस आश्वस्तिक के बावजूद वैश्विक बाजार की अस्थिरता का असर भारत में दिखाई देने लगा है।

विश्व की राजनीति जब युद्ध, तनाव और सामरिक प्रतिस्पर्धा के रास्ते समुद्रों तक पहुँच जाती है, तब उसका असर केवल सीमाओं और कूटनीतिक मंचों तक सीमित नहीं रहता। उसका कोप आम आदमी की रसोई, अन्नदाता किसान के खेत, उद्योगों जगत की मशीनों और देश की अर्थव्यवस्था तक महसूस होता है। आज पूरी दुनिया कुछ ऐसी ही स्थिति का सामना कर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, समुद्री मार्गों पर भंडारते खतरे और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में जारी अस्थिरता ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई चिंता में डाल दिया है। ऐसे में पीआईबी, भारत सरकार द्वारा आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस इसी बढ़ते संकट और उससे निपटने की राष्ट्रीय तैयारी पर केंद्रित रही। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय, नौवहन, वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं, बल्कि समुद्री व्यापार, गैस आपूर्ति, उर्वरक उत्पादन, महंगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है। भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश बन चुका है, लेकिन विडंबना यह है कि अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल भारत आयात करता है। यही नहीं, घरेलू एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत भी आयात के माध्यम से पूरी होती है। इन आयातों का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुँचता है। इसलिए जैसे ही पश्चिम एशिया में संघर्ष या तनाव बढ़ता है, उसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगता है। भारत ने समय रहते ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीतिक कदम उठाए हैं। देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों का रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है।



इसके अतिरिक्त लगभग 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक तथा पर्याप्त नेचुरल गैस भंडारण भी मौजूद है। सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति श्रृंखला सामान्य रूप से कार्य कर रही है। हालाँकि सरकार की इस आश्वस्तिक के बावजूद वैश्विक बाजार की अस्थिरता का असर भारत में दिखाई देने लगा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुँच गई है। कुछ माह पहले तक यही कीमत 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी हुई थी। तेल की कीमतों में इस तेज वृद्धि ने सरकार और आम उपभोक्ता दोनों की चिंता बढ़ा दी है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सबसे सीधा असर पेट्रोल और डीजल पर दिखाई देता है। हाल के दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में पेट्रोल लगभग 97 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 90 रुपये प्रति लीटर के आसपास पहुँच गया। यह वृद्धि केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहती। परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न, फल-सब्जियों, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें भी प्रभावित होती हैं। सबसे अधिक चिंता समुद्री मार्गों को लेकर व्यक्त की गई। पश्चिम एशिया का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज विश्व की व्यापार की धुरी माना जाता है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़े पैमाने पर एलएनजी का व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है। भारत के लिए यह मार्ग और

भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के तेल और गैस आयात का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है। वर्तमान तनाव को देखते हुए भारत ने अपने आयात स्रोतों और समुद्री मार्गों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। आज भारत लगभग 40 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जबकि वर्ष 2006-07 में यह संख्या केवल 27 थी। रूस, अमेरिका, कनाडा, ब्राजील, अफ्रीकी देशों और अन्य वैकल्पिक बाजारों से आयात बढ़ाकर भारत ने पश्चिम एशिया पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है। सरकार के अनुसार अब लगभग 70 प्रतिशत तेल आयात वैकल्पिक मार्गों और नए स्रोतों से किया जा रहा है। यही कारण है कि संकट की स्थिति के बावजूद भारत में ऊर्जा आपूर्ति बाधित नहीं हुई। भारतीय नौसेना और समुद्री सुरक्षा एजेंसियाँ खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।इस संकट का प्रभाव केवल पेट्रोलियम तक सीमित नहीं है। इसका बड़ा असर उर्वरक क्षेत्र पर भी दिखाई दे रहा है। भारत का उर्वरक उद्योग मुख्यतः नेचुरल गैस आधारित है। यूरिया उत्पादन में गैस प्रमुख कच्चा माल होती है। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतें बढ़ती हैं, वैसे-वैसे उर्वरक उत्पादन की लागत भी बढ़ जाती है। खरीफ सीजन नजदीक होने के कारण यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए सरकार ने उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित की है। सरकारी आँकड़ों के

परीक्षा प्रणाली के सामने सबसे बड़ा संकट

वैश्विक स्तरपर भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है। करोड़ों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से अपने भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं। डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी, वैज्ञानिक और प्रोफेशनल बनने के सपने लेकर युवा वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। लेकिन, जब किसी राष्ट्रीय परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले बाजार में बिकता हुआ दिखाई देता है, जब पुलिस और जांच एजेंसियाँ केमिस्ट्री टीचर, कोचिंग संस्थान संचालकों, तकनीकी विशेषज्ञों और परीक्षा तंत्र से जुड़े लोगों को गिरफ्तार करती हैं, तब केवल एक परीक्षा नहीं टूटती, बल्कि देश की मेरिट आधारित व्यवस्था पर जनता का विश्वास भी दकन ले लगता है। हाल के वर्षों में बार-बार सामने आए पेपर लीक मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत में परीक्षा प्रणाली अब केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं रह गई है, बल्कि यह एक संगठित आर्थिक अपराध,

तकनीकी अपराध और नैतिक पतन का संयुक्त संकट बन चुका है। आज स्थिति यह है कि पेपर लीक प्रकरणों को लेकर आम नागरिकों के बीच यह धारणा बन गई है कि घर का भेदी लंका ढाए। अर्थात यदि प्रश्नपत्र लीक हो रहा है, तो यह केवल बाहरी अपराधियों का काम नहीं हो सकता। इसके पीछे लगे न कहीं सिस्टम के भीतर बैठे लोग, संवेदनशील डेटा तक पहुँच रखने वाले कर्मचारी, प्रिंटिंग प्रेस से जुड़े तत्व, डिजिटल सर्वर संचालने वाले तकनीकी विशेषज्ञ, परिवहन श्रृंखला से जुड़े अधिकारी शामिल हो सकते हैं। यही वह बिंदु है, जहां भारतीय परीक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी कमजोरी उजागर होती है, सुरक्षा तंत्र बाहर से कम और भीतर से अधिक टूट रहा है। अभी हाल ही में नीट यूजी परीक्षा लीक प्रकरण केस में दिनांक 18 में 2026 तक रसयान और जीव शास्त्र विषय के टीचरों व नामी कोचिंग क्लास संस्थान के मलिक जो पूर्व में टीचर भी था, सहित अनेक राज्यों से 10 से

अधिक लोगों की सटीक गिरफ्तारी हो चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में मेडिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, रेलवे भर्ती और राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के अनेक मामले सामने आए। कई मामलों में जांच एजेंसियों ने पाया कि प्रश्नपत्र परीक्षा से कई घंटे पहले वाट्सएप, टेलीग्राम या गुप्त डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से प्रसारित किए गए। कहीं प्रिंटिंग प्रेस से कॉपी बाहर निकाली गई, कहीं एंफ्रिंटेड फाइल तक अवैध पहुँच बनाई गई, तो कहीं परीक्षा केंद्रों पर ब्लूटूथ डिवाइस, माइक्रो इंयरफोन और सॉल्वर गैज सक्रिय पाए गए। यह पूरा नेटवर्क दशर्रात है कि परीक्षा अपराध अब स्थानीय स्तर का धोखा नहीं, बल्कि अत्यंत संगठित एरजाम माफिया ईकोसिस्टम बन चुका है। भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव असाधारण है। एक सीट के लिए हजारों से लेकर लाखों उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा करते हैं। मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में तो स्थिति और अधिक तनावपूर्ण है। सीमित सरकारी सीटें, अत्यधिक

फीस वाले निजी कॉलेज, परिवारों की अपेक्षाएं और सामाजिक प्रतिष्ठा का दबाव विद्यार्थियों को मानसिक रूप से अत्यंत संवेदनशील बना देता है। ऐसे माहौल में यदि कोई गिरिह रैंक दिलाने या पेपर उपलब्ध कराने का दावा करता है, तो कुछ लोग लालच, भय या निराशा में उसके जाल में फंस जाते हैं। यही वह सामाजिक मनोविज्ञान है जिसका फायदा अपराधी सटीक रूप से नेटवर्क उठाते हैं। कोचिंग उद्योग एक विस्तार इस पूरे संकट का एक महत्वपूर्ण आयाम है। भारत में कोचिंग अर्थव्यवस्था हजारों करोड़ रुपए तक पहुँच चुकी है। राजस्थान का कोटा, दिल्ली का मुखर्जी नगर, पटना, हैदराबाद, पुणे, इंदौर और कई अन्य शहर शिक्षा आधारित व्यावसायिक केंद्रों में बदल चुके हैं। यहां लाखों विद्यार्थी तैयारी के लिए आते हैं। अधिकांश कोचिंग संस्थान ईमानदारी से शिक्षा प्रदान करते हैं और छात्रों की मेहनत को दिशा देते हैं। लेकिन, इसी विशाल उद्योग के भीतर कुछ लालची तत्वों पर यह आरोप लगता रहा है कि उन्होंने

शिक्षा को रैंक खरीदो मॉडल में बदलने की कोशिश की। जब सफलता को उत्पाद और रैंक को व्यापारिक ब्रांड बना दिया जाता है, तब नैतिक सीमाएं कमजोर पड़ने लगती हैं।कुछ जांचों में यह आरोप सामने आया कि कुछ कोचिंग संचालकों ने अपने संस्थान को सफलता दर बढ़ाने के लिए अवैध नेटवर्क से संपर्क बनाए। यदि किसी संस्थान के छात्र बड़ी संख्या में शीर्ष रैंक प्राप्त करते हैं, तो अगले वर्ष अपने संस्थान में प्रवेश लेने वालों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। फीस बढ़ती है, ब्रांड वैल्यू बढ़ती है और निवेशकों का विश्वास मजबूत होता है। ऐसे में कुछ भ्रष्ट मानसिकता वाले लोग शिक्षा को सेवा नहीं, बल्कि शुद्ध व्यवसाय मानकर किसी भी हद तक जाने को तैयार हो जाते हैं। यही वह बिंदु है, जहां शिक्षा का पवित्र क्षेत्र अपराध और लालच की प्रयोगशाला बनने लगता है। घर का भेदी लंका ढाए वाली कहावत यहां पूरी तरह लागू होती है। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परीक्षा केंद्र तक की पूरी प्रक्रिया में कई स्तर शामिल होते

हैं पेपर सेटिंग, मॉडरेशन, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, ट्रांसपोर्टेशन, डिजिटल स्टोरेज, परीक्षा केंद्र विवरण की मूल्यांकन। यदि इनमें से किसी भी स्तर पर कोई व्यक्ति भ्रष्ट हो जाए, तो पूरा सिस्टम खतरे में पड़ जाता है। यही कारण है कि केवल बाहरी सुरक्षा बढ़ा देने से समस्या समाप्त नहीं होती। असली सटीक चुनौती इनसाइडर श्रेट यानें भीतर बैठे खतरे से निपटना है। साथियों डिजिटल युग ने परीक्षा सुरक्षा को जितना मजबूत किया है, उतना ही जटिल भी बना दिया है। पहले पेपर फोटोकॉपी या फैक्स के माध्यम से लीक होते थे, अब एंफ्रिंटेड मैसैजिंग ऐप, क्लाउड स्टोरेज, स्क्रीन शेयरिंग और डाक वेब जैसी तकनीकों का उपयोग होने लगा है। साइबर अपराधियों और तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता ने जांच एजेंसियों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। कई बार प्रश्नपत्र का स्क्रीनशॉट कुछ ही मिनटों में हजारों लोगों तक पहुँच जाता है। यह डिजिटल स्पीड प्रशासनिक प्रतिक्रिया से कहीं अधिक तेज होती है।

Social Media Corner

सब के हक में...

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि आधुनिक विकास के प्रयासों के साथ-साथ जनजातीय समुदायों की संस्कृतियों और ज्ञान-परंपराओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी देशवासी वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जनजातीय समुदायों का समग्र विकास इस लक्ष्य का अभिन्न अंग है। जनजातीय समुदायों का समग्र विकास ही देश के विकास को समावेशी विकास का स्वरूप प्रदान करेगा।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)



नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष श्री रवि तामिखने से मुलाकात का अवसर पाकर मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ। साझा और समृद्ध भविष्य के लिए मिलकर काम करने की आपकी आकांक्षा का मैं स्वगत करता हूँ। और इससे पूरी तरह सहमत हूँ। हमारी पड़ोसी पक्ले नीति के अंतर्गत नेपाल एक प्राथमिकता प्राप्त साझेदार है और हम दोनों देशों के बीच अद्वितीय और बहुआयामी संबंधों को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)



खान एवं भूतल विभाग की समीक्षा बैठक में कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई जैसे माइनस एवं मिनरल्स क्षेत्र में राज्य को पूर्व से लगाता बढ़ोतरी हुई है, जो बेहतर है, इसे और आगे बढ़ाने का काम करें। विभाग को यह भी कहा है कि माइनस क्षेत्र में राज्य बढ़ाने हेतु विभाग प्लान सबमिट करें तथा जिन माइनस पर प्रोडक्शन नहीं हो रहा है उनका मानचित्रण का शीघ्र प्लान सबमिट करें, आदि जैसे कई अन्य दिशा-निर्देश दिए।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)



स्वस्थ जीवन, शांत मन और सशक्त शरीर का आधार

आज का मनुष्य समस्याओं, तनाव, भागदौड़ और मानसिक अशांति से घिरा हुआ है। जीवन की गति इतनी तेज हो चुकी है कि व्यक्ति स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। कभी आर्थिक समस्या, कभी पारिवारिक तनाव, कभी शारीरिक रोग तो कभी मानसिक बेचैनी मनुष्य हर क्षण किसी न किसी चिंता में उलझा रहता है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। तीखी धूप, बढ़ता तापमान, शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक तनाव व्यक्ति को कमजोर बना देते हैं। ऐसे समय में यदि कोई उपाय शरीर और मन दोनों को संतुलित कर सकता है, तो वह है योग। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन को संतुलित करने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मनुष्य को केवल रोगमुक्त ही नहीं बनाता, बल्कि उसे भीतर से शक्तिशाली, शांत और प्रसन्न भी बनाता है। वर्तमान समय में योग की उपयोगिता पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। भारत की यह प्राचीन धरोहर आज विदेशों तक पहुँच चुकी है और करोड़ों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है, पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और मन बेचैन रहने लगता

है। लगातार पसीना निकलने से शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है। ऐसे में योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्राणायाम और ध्यान शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं तथा मन को शांत बनाते हैं। योग करने से शरीर में रक्तसंचार ठीक रहता है और शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है। इससे गर्मी का प्रभाव कम महसूस होता है। गर्मी में योग करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करता है। शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यास शरीर की गर्मी को कम करते हैं। ये मन को शांत करते हैं और तनाव दूर करते हैं। जो लोग गर्मी में बेचैनी, चक्कराहट और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं, उनके लिए योग किसी औषधि से कम नहीं है। योग करने से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति सकारात्मक सोचने लगता है। आज अनेक बीमारियों का मूल कारण असंतुलित जीवनशैली और मानसिक तनाव है। गर्मी के दिनों में रक्तचाप, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, अनिद्रा, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएँ अधिक बढ़ जाती हैं। योग इन सभी समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति जल्दी बीमार नहीं पड़ता। योग शरीर को लचीला बनाता है तथा मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से योग

अत्यंत आवश्यक बन गया है। आधुनिक जीवन में मनुष्य मशीनों पर निर्भर होता जा रहा है। शारीरिक श्रम कम हो गया है और मानसिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे समय में योग ही वह साधन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रख सकता है। योग के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को अनुशासित बनाना सीखता है। यह केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि रोगों को होने से भी रोकता है। योग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है। आज लोग धन और सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, परंतु शांति उनसे दूर होती जा रही है। योग मन की चंचलता को नियंत्रित करता है और व्यक्ति को आत्मिक सुख का अनुभव कराता है। ध्यान और प्राणायाम के अभ्यास से मन एकाग्र होता है। इससे पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति बढ़ती है और काम करने वाले लोगों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। गर्मी में सुबह के समय खुले वातावरण में योग करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। प्रातःकाल की शुद्ध हवा शरीर और मन को नई ताजगी देती है। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन और शवासन जैसे योगासन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक हैं। शवासन विशेष रूप से गर्मी में लाभदायक माना जाता है, क्योंकि यह शरीर और मन को गहरा आराम देता है। योग केवल शरीर को ही नहीं बदलता, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व का भी विकास करता है।

आवारा आतंक पर सख्ती

यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने उस आदेश को वापस लेने से मना कर दिया, जिसमें यह कहा गया था कि शैक्षणिक संस्थानों, बस एवं रेलवे स्टेशनों, खेल परिसरों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटया जाए और उनकी नसबंदी की जाए। इस आदेश में संशोधन-परिवर्तन करने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि लोगों को कुत्तों के काटने के खतरे के बिना स्वतंत्र रूप से घूमने का अधिकार है। निःसंदेह अशु प्रेमियों और विशेष रूप से डाग लवर्स को सुप्रीम कोर्ट की यह सख्ती रास नहीं आएगी, पर आखिर ऐसे लोग इसकी अनदेखी कैसे कर सकते हैं कि आवारा कुत्ते आतंक का पर्याय बन गए हैं। हर दिन ऐसी खबरें आती हैं कि आवारा कुत्तों ने किसी बच्चे, महिला या बुजुर्ग को दौड़ाकर काट खाया। कुछ दिल दहलाने वाली खबरें तो ऐसी भी आती हैं कि आवारा कुत्ते किसी शिशु को नोचकर खा गए या फिर किसी दोपहिया वाहन वाले को दौड़ाने के चलते वह दुर्घटना का शिकार होकर या तो गंभीर रूप से घायल हो गया या फिर उसकी मौत ही हो गई। एक सच्चाई यह भी है कि रेबीजग्रस्त कुत्तों के काटने से भी तमाम लोगों की जान जा रही है। साफ है कि ऐसी घटनाओं से मुंह फेरकर आवारा कुत्तों को हर जगह विचरने की आजादी चाने चाने मानव जीवन का महत्ता समझने से इनकार कर रहे हैं। वे आवारा कुत्तों को हर जगह घूमने देने के तो पक्षधर हैं, पर उनकी देखभाल करने को तैयार नहीं। आखिर यह दोहरा मानदंड नहीं तो और क्या है। आवारा कुत्तों की समस्या केवल शहरों तक सीमित नहीं है। उनकी तेजी से बढ़ती आबादी करखों और गांवों के लोगों को भी आतंकित कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रूप से बीमार और रेबीजग्रस्त आवारा कुत्तों को मारने पर विचार करने की भी बात कही।

India needs astute statesmanship and diplomacy to tackle diverse challenges

aking all these factors together — the energy situation, which is likely to aggravate further; the China, Pakistan and Bangladesh positions with respect to us; and our own internal problems — the time calls for astute statesmanship and diplomacy of the highest order. The nation must unite to face this multi-pronged assault. This initiative must come from the leadership of the Indian government.

Over-reliance on complex outsourced digital systems without sufficient on-ground safeguards can be perilous

conduct the exam in the computer-based mode from



where phones/laptops and other electronic devices were not supposed to be allowed and there was mandatory shredding of all notes. Even “trusted” insiders are under suspicion — this shows that the rot runs very deep. Another national-level academic body, the Central Board of Secondary Education (CBSE), is in a spot over the on-screen marking system. An embarrassing mix-up of answer sheets has been flagged by several students. These back-to-back controversies indicate that transparency and accountability have taken a big hit in the education sector. As the clamour for Education Minister Dharmendra Pradhan’s resignation gets louder, the Modi government faces the onerous task of restoring public confidence in India’s exam ecosystem.

While there is little prospect of revisiting the island's status, the debate has once again highlighted the sensitivity of Sri Lanka-related issues in Tamil Nadu politics. The more immediate challenge lies in the longstanding fisheries dispute. During the years of conflict, restrictions on fishing in northern Sri Lankan waters created opportunities for fishermen from Tamil Nadu. Over time, the presence of Indian trawlers in Sri

Vijay's government has sought greater engagement from New Delhi on the recurring arrests of Indian fishermen and the seizure of boats and equipment. While any durable resolution ultimately depends on bilateral engagement between India and Sri Lanka, advocacy by the Tamil Nadu government can help ensure that the concerns of affected fishing communities remain on the policy agenda. Then there is the sensitive question of how support for Tamil rights is distinguished from attitudes towards the LTTE. Vijay has consistently spoken about the rights, dignity and welfare of Sri Lankan Tamils. At times, however, statements or symbolism associated with the conflict years have prompted debate about the legacy of the LTTE in Tamil political discourse. The organisation emerged during a period of deep ethnic conflict and came to dominate the Tamil militant movement. Its legacy remains deeply contested, shaped both by its articulation of Tamil grievances and by its involvement in violence, including attacks on civilians and political leaders. For contemporary political leaders, the challenge lies in advocating justice and equality for Sri Lankan Tamils while avoiding the revival of divisions associated with the conflict.

ITR filing 2026: Not in taxable income? Major reasons why you must still file your income tax returns

New Delhi,.(Agency)
As the Assessment Year 2026-27 filing season gets underway, some salaried individuals frequently wonder if they should file an Income Tax Return (ITR) even if they don't have any tax liability. The simple answer to this question is that you should file an ITR if you have no tax liability. In several cases, filing an ITR even if tax liability is zero is a calculated move that can be of immense benefit in multiple ways.Income tax submission and filing means you have a formal record of your annual income declaration to the IT department. Even in cases where the tax liability is zero, filing ITR helps to maintain a verifiable and factual financial history.

1. Income and identity proof
An ITR acts as a legal document because it is recorded with the government. The ITR you file can be used as identity proof in several cases such as while applying for an Aadhaar card. The government accepts it as proof of residence as well. It also acts as income proof as it contains a detailed list of all your incomes and expenses. It can be particularly useful for self-employed individuals, business owners and freelancers who may not have salary slips to prove their income.

2. Applying for Loans
Several banks often request ITR documentation as proof of income while giving home loan, personal loan or business loan to customers. If you can produce a filed return to the banks or lending institutions then it can help improve eligibility for loans. A filed ITR return details your past and present financial position and assures your loan repayment capability.

3. Claim refund
Tax deducted at source (TDS) might be deducted on savings interest, freelance income, fixed deposits or dividend payouts for stocks even if your tax liability is zero. Once you file income tax returns, this helps you claim such a refund without any hassles. If excess tax has been deducted from your income through TDS, filing an ITR becomes necessary to claim a refund.

4. Carry forward of losses
If you have calculated losses from any source of income that cannot be offset against the current year's income, you can carry forward these losses to future years by filing a tax return. Suppose you have suffered losses in the stock market, property or business activity and want to carry them forward to the next year, you can easily do so if you have filed an ITR.

Rupee falls 28 paise to 95.64 against US dollar in early trade

MUMBAI.(Agency)
The rupee depreciated 28 paise to 95.64 against the US dollar in early trade on Wednesday, after the US Trade Representative proposed 12.5 per cent additional duties on India and 53 other countries over forced labour import violations.
Forex traders said the US Trade Representative's action, amid fresh hostilities and stalled talks between the US and Iran, weighed on investor sentiment.At the interbank foreign exchange market, the rupee opened at 95.43 against the US dollar, then touched 95.64 in early trade, down 28 paise from its previous close.On Tuesday, the rupee depreciated 17 paise to close at 95.36 against the US dollar.The US Trade Representative has proposed imposing 12.5 per cent additional duties on 54 countries, including India, for failing to prohibit the import of goods produced with forced labour.
The action follows investigations launched against 60 countries over what the USTR described as their failure to impose and effectively enforce bans on imports made with forced labour.India has denied the allegations under the forced labour clause and asked the US to end the investigations, saying such matters should be addressed within the framework of ongoing bilateral trade negotiations.
The USTR statement said 54 countries, including India, China, Japan, Brazil, Australia, the UK, and Saudi Arabia, have failed to impose and effectively enforce a prohibition on the importation of goods produced with forced labour.

Indian travellers can now pay via UPI at 4.5 million merchant outlets in Cambodia

New Delhi.(Agency)
Indian tourists and travellers heading to Cambodia can now leave their currency exchange worries behind, with UPI payments going live at more than 4.5 million merchant locations across the Southeast Asian nation. The cross-border QR payment linkage was launched by NPCI International Payments Limited in partnership with ACLEDA Bank Plc, enabling Indian users to scan Cambodia's national QR code system, KHQR, through any UPI-enabled app to make real-time payments at restaurants, tourist attractions, retail stores and other businesses.
The launch was formally announced at an event in Phnom Penh attended by representatives of the National Bank of Cambodia and the Reserve Bank of India.
How does it work
In the first phase, Indian travellers can use their existing UPI applications to make instant QR code payments across Cambodia's KHQR merchant network, the same way they would pay at home in India. The system is designed to offer a secure and seamless payment experience while eliminating the need to carry cash or exchange currency for everyday spending.

RBI MPC meeting starts today: Will rising inflation risks lead to a rate hike?

The RBI's Monetary Policy Committee (MPC) begins its three-day meeting today amid rising concerns over inflation, higher crude oil prices and global uncertainties. Will these factors be enough to trigger a rate hike?

New Delhi,.(Agency)
The Reserve Bank of India's (RBI) three-day Monetary Policy Committee (MPC) meeting begins today, with all eyes on Governor Sanjay Malhotra, who will announce the policy decision on Friday, June 5.The six-member MPC will assess the country's inflation outlook, economic growth prospects and interest rates at a time when global uncertainties, rising crude oil prices and geopolitical tensions are creating fresh challenges for policymakers.While concerns over inflation have resurfaced, most market experts believe the RBI is likely to keep

the repo rate unchanged rather than opt for a rate hike.
WHY IS THE MPC MEETING IMPORTANT?

The MPC's decision directly affects borrowing costs across the economy. Any change in the repo rate influences home loan EMIs, personal loan rates, business borrowing costs and overall consumer spending.At its last policy review in April 2026, the RBI left the repo rate unchanged at 5.25 per cent. The central bank also maintained its neutral policy stance.Since then, rising crude oil prices, pressure on the rupee and tensions in West Asia have raised questions about whether the RBI may need to act to contain inflation.

WHY EXPERTS EXPECT RBI TO HOLD RATES
According to Shishir Bajjal, International Partner, Chairman and Managing Director, Knight Frank India, the RBI is unlikely to raise rates despite current inflationary pressures."We expect the

MPC to keep policy rates unchanged, amid inflation concerns, but the tone of commentary will be important to take note of. Much of the current inflationary pressure is being driven by supply-side factors such as elevated crude oil prices,



geopolitical tensions, and climate-related uncertainties, which are largely beyond the influence of monetary policy," he said.Bajjal added that increasing interest rates in response to such factors may hurt economic growth without significantly reducing inflation."Therefore, it is

essential that the central bank continues to keep interest rates stable, prioritise growth support while remaining vigilant on inflation dynamics," he said.

MARKETS FOCUSED ON RBI'S MESSAGE

Gaurav Garg, Research Analyst at Lemonn Markets Desk, also expects the RBI to maintain the status quo."We expect the RBI to maintain status quo on the repo rate in the upcoming MPC meeting. While recent developments such as higher crude prices, fuel price revisions, rupee weakness and geopolitical uncertainties have added to inflationary concerns, much of the current pressure appears to be supply-driven," he said.

According to Garg, the central bank is likely to monitor developments carefully rather than respond with immediate policy tightening."In such an environment, the RBI is likely to remain watchful rather than react with immediate policy tightening," he said.

TCS, Tech Mahindra, HCLTech crash up to 8%: Why are IT stocks falling after recent rally

New Delhi.(Agency)
After leading the market's recovery over the past two sessions, information technology stocks came under heavy selling pressure on Wednesday, with investors rushing to book profits following a sharp rally driven by artificial intelligence optimism and hopes of stronger software spending.
The Nifty IT index plunged 4.66%, making it the worst-performing sectoral index on Dalal Street by a wide margin. The sharp correction also dragged benchmark indices lower, with IT heavyweights emerging as the biggest losers on the Sensex.Tata Consultancy Services (TCS) crashed 7.16%, making it the biggest loser among Sensex stocks. Tech Mahindra fell 4.54%, Infosys declined 3.80%, and HCL Technologies slipped 3.65%. Together, these stocks accounted for a significant portion of the market's losses during the session.The sell-off marks a sharp reversal for the sector, which had gained about 7% over the previous two trading sessions.Sentiment was further

hit by weakness in US-listed ADRs of Indian IT companies. Infosys ADRs fell 2.5% overnight, while Wipro ADRs dropped more than 8% after sharp rallies in recent sessions, indicating



profit booking in technology shares globally
WHY ARE IT STOCKS FALLING TODAY?
The biggest reason behind today's decline is profit booking after a strong rally. IT stocks had witnessed aggressive buying over the last two sessions as investors cheered strong earnings from

US software companies, optimism around artificial intelligence spending and expectations that the US Federal Reserve could eventually cut interest rates.Nitant Darekar, Research Analyst at Bonanza, said that the recent IT bounce was largely sentiment-driven.
"The Nifty IT index gained roughly 6% over three sessions and about 15% off its May lows, fuelled by Snowflake's upbeat earnings signalling resilient AI spending, rising US rate-cut hopes, a weak rupee boosting margins, and attractive valuations after a sharp correction," said Darekar.Today's reversal, led by TCS, is essentially profit-booking on an overextended relief rally. Fundamentally, TCS stays the weakest link: down nearly 23% in 2026 on margin pressure and weak growth visibility. Valuations at a ~30% discount to historical P/E offer comfort, but a durable rerating needs demand recovery, not just AI optimism," he added.

Stock markets tumble in early trade; Sensex tanks 700 points

MUMBAI.(Agency)
The rupee appreciated 16 paise to 95.03Equity benchmark indices Sensex and Nifty tumbled in early trade on Wednesday amid uncertainty related to US-Iran negotiations, fresh spike in crude oil prices and persistent foreign fund outflows.The 30-share BSE Sensex tanked 699.74 points to 73,959.48 in early trade. The 50-share NSE Nifty dropped 177.40 points to 23,302.50.From the 30-Sensex firms, Tata Consultancy Services, Tech Mahindra, Infosys, HCL Tech, ITC and Eternal were among the biggest laggards.IT stocks fell sharply amid profit-taking after rallying in the past few days.Meanwhile, Maruti, Adani Ports, Asian Paints and Bharti Airtel were the gainers from the blue-chip pack.Brent crude, the global oil benchmark, traded 0.89 per cent higher at USD 96.85 per barrel."The mild

escalation in the West Asia conflict has again pushed up Brent crude price to close to USD 97 indicating no respite to India from the energy shock," VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Limited, said.Foreign Institutional Investors (FIIs) offloaded equities worth Rs 8,362.92 crore on Tuesday, according to exchange data."At present, investor sentiment remains cautious and highly sensitive to incoming developments. The lack of tangible progress in US-Iran negotiations, elevated crude oil prices and continued foreign fund outflows continue to reinforce a risk-off environment," Ponnudi R, CEO of Enrich Money, an online trading and wealth-tech firm, said.Meanwhile, the US Trade Representative has proposed slapping 12.5 per cent additional duties on 54 countries, including India, for failing to prohibit the import of goods

produced with forced labour.The action follows investigations launched against 60 countries over what the USTR described as their failure to impose and effectively enforce bans on imports made with forced labour."The failure of our most important trading partners to address the importation of goods made with forced labour is unacceptable.This creates a dynamic where American workers are forced to compete globally on an unlevel playing field," US Trade Representative Ambassador Jamieson Greer said in a statement.In Asian markets, Japan's Nikkei 225 index and Shanghai's SSE Composite index quoted higher, while Hong Kong's Hang Seng index traded lower.US markets ended in positive territory on Tuesday."Overnight, the S&P 500 closed at a fresh record high, while Japan's Nikkei scaled new lifetime highs.



performed strongly in recent years, the prolonged conflict is emerging as a key concern for exporters."As the conflict has continued through February, March, April and May, its impact has become more evident for tea sellers. If the situation does not improve in the coming months, producers may have to shift back to CTC tea manufacturing, or orthodox tea may have to be sold at lower prices," he added.
Despite the challenges, Bihani expressed confidence that exporters could diversify their market base. He pointed to Russia as a significant alternative destination and said the industry is actively exploring new export opportunities.We have identified new markets for exports, and Russia remains a major market for us. Much will depend on how the situation evolves in the coming months," he said.The concerns come even as India's tea export sector continues to record robust growth. In May, Union Commerce and Industry Minister Piyush Goyal said the value of India's tea exports had surged 93 per cent to Rs 8,719 crore in 2025-26, compared with Rs 4,509 crore in 2013-14.

Gold, silver prices are down again. Should investors buy, hold or wait?

If you've been tracking gold and silver prices recently, you've probably noticed that the rally has lost some steam. Both metals have slipped despite ongoing geopolitical uncertainty, leaving investors with an important decision to make: buy more, stay invested, or wait for the dust to settle.

New Delhi.(Agency)
Gold and silver have long been seen as safe places to park money during uncertain times. But in recent weeks, both precious metals have struggled to maintain the strong momentum they enjoyed earlier this year. Prices have turned volatile, leaving many investors wondering whether this is just a temporary pause or the start of a bigger correction.
On Wednesday, precious metal prices remained under pressure. At around 11:30 am, MCX Gold was trading lower by Rs

849 at Rs 154,700 per 10 grams, while MCX Silver fell by Rs 1,267 to Rs 265,440 per kilogram.
WHY ARE GOLD AND SILVER UNDER PRESSURE?

Fresh military exchanges between the United States and Iran have once again raised concerns about the stability of the recently announced ceasefire. The latest developments have increased uncertainty in global markets and weakened investor confidence.While geopolitical tensions usually support safe-haven assets such as gold, other factors, including a stronger US dollar and fluctuations in currency markets, have weighed on prices. Emerging markets, including India, have also come under pressure as investors assess the possible economic impact of the ongoing conflict.
GOLD FACES SHORT-TERM WEAKNESS
According to Kaveri More, Commodity Analyst – Technical Research at Choice Broking, gold has witnessed significant weakness over the past two weeks.

"MCX Gold prices declined nearly 4% over the last two weeks amid a stronger U.S. dollar and weakness in the Indian rupee," she said.More noted that the August gold contract is currently trading around



159,300. She pointed out that the key weekly support level is near the 20-week Exponential Moving Average (EMA) at 157,380."The overall trend remains moderately bearish, with major support seen at 157,380–152,700 and resistance placed at 163,650–169,000," she added. The technical indicators suggest that gold may continue to face some pressure in the near term unless fresh buying interest emerges.SILVER SHOWING MORE

RESILIENCE
While silver has also corrected, it has held up better than gold in recent weeks. "MCX Silver continues to witness range-bound trading between 261,000 and 277,400," More said.She added that despite the recent decline, silver has shown relative resilience compared to gold. The Gold/Silver Ratio, often referred to as the Mint Ratio, is currently hovering around 59–60."Going forward, silver is likely to remain sideways unless a decisive breakout occurs. Key support levels are placed at 261,000–249,300, while resistance is seen at 277,400–299,000," she explained.This suggests that silver may continue to move within a broad range until a strong trigger pushes prices higher or lower.
WHAT SHOULD INVESTORS DO NOW?
Market experts generally advise investors not to make decisions based solely on short-term price movements. Gold and silver remain important diversification tools, particularly during periods of economic and geopolitical uncertainty.

Six days after trekker Babita Pandey went missing from Goi Base Camp near Dayara Bugyal in Uttarkashi, search efforts have entered a crucial phase. Authorities are now focusing on a nearby lake, with a six-member deep-search team set to use specialised equipment after extensive searches yielded no significant clues.

extensive searches across forests, slopes, trekking routes and other difficult terrain. However, no concrete clues have emerged so far. Officials believe the lake could provide an important lead in the case. According to information available, a six-member special deep-search team is expected to reach the spot shortly and begin operations. Using modern equipment, the team will conduct a detailed examination of the lake's depths as well as the surrounding area. Local residents and the administration are closely watching.

And can other recruitment agencies such as the NTA or the SSC, learn from not just the UPSC, but also premier institutions like the IITs and IIMs, which conduct high-stakes entrance examinations like the JEE and CAT, on a massive scale? The answers lie in a combination of secrecy, compartmentalisation of papers, use of technology and decades-old decorum, according to experts and stakeholders India Today Digital spoke to."The UPSC has an established strictness, established protocols and institutional decorum that makes any attempt to compromise the examination process.

The order also instructs the Treasury, the National Security Agency and the CISA cybersecurity agency to form an "AI cybersecurity clearinghouse" in voluntary collaboration with industry and critical infrastructure operators to identify software

India has contested the allegations under the forced labour clause and urged the US to discontinue the investigations, maintaining that the issue should be resolved through ongoing bilateral trade discussions. The USTR said 54 economies, including India, China, Japan, Brazil, Australia, the UK and



prohibitions but inadequate enforcement mechanisms. Greer said some trading partners had initiated measures to restrict forced labour-linked imports through mechanisms such as the USMCA and Agreements on Reciprocal Trade, but

North Korea slammed on Wednesday remarks by the top American military official in South Korea comparing his host nation to "the dagger in the heart of Asia", saying it reflected Washington's strategy to contain China. General Xavier Brunson made the comments in an interview as speculation builds that Washington may seek to expand the US Forces Korea (USFK) role in countering China's regional influence. About 28,500 US troops are stationed in



the world's worst war empire".The comments reflected how Washington intended to use South Korea "as an important geopolitical instrument to realise its regional strategy aimed at containing China," said Kim, who is based in Japan and considered an unofficial overseas spokesman for North Korea.China has for decades

The United States military early Wednesday announced that it conducted "self-defense" strikes on Iran's Qeshm Island. The military also said it had "successfully defeated" a series of Iranian missile and drone attacks in the Gulf. US Central Command also denied claims by Iran's Revolutionary Guards that they had struck the headquarters of the US Navy's Fifth Fleet in Bahrain and a separate air base in the region. "Iran launched several ballistic missiles toward regional neighbors; however, all failed to hit their intended targets," Centcom said in a statement. "Two Iranian missiles fired at Kuwait fell short or broke apart en route, and three missiles launched at Bahrain were immediately intercepted by US and Bahrain air defense forces." Kuwait's military said its air defenses were intercepting "hostile" missile and

drone attacks. The US military also shot down three attack drones that had



been launched by Iran "toward civilian mariners that were rightfully transiting regional waters," Centcom said. Qeshm Island is located in the strategic Strait of Hormuz, the key shipping channel for Gulf oil and gas that has been effectively closed by Tehran since the start of the war with the US and Israel in late February. Centcom said the strikes had

targeted an "Iranian military ground control station" on the island, adding that no US personnel were injured. In a statement carried by the official IRNA news agency, the Revolutionary Guards claimed they had struck the US military installations in response to the strike on Qeshm Island. "FALSE," Centcom said in a post on X. "All Iranian attacks on American forces failed." A ceasefire has been in place between the United States and Iran since April 8, but subsequent talks to try to put a more permanent end to the conflict have so far been unsuccessful. Tehran said Monday that Israel's expanding campaign in Lebanon risked ending the US-Iran ceasefire. Earlier, US forces fired a missile at a ship that was attempting to sail toward an Iranian port in violation of an American blockade, disabling the vessel.

Russia launched hundreds of drones and dozens of missiles against Kyiv and other Ukrainian cities overnight, killing at least 22 civilians and wounding 138 others, authorities said Tuesday. Russian President Vladimir Putin has escalated Moscow's aerial campaign in recent weeks in an apparent bid to take advantage of Ukraine's shortage of U.S.-made air defense systems and persuade an increasingly pessimistic audience at home that Moscow is prevailing in the 4-year-old war. Emergency rescue crews digging through the wreckage of apartment buildings pulled out the bodies of a 3-year-old child as well as those of a woman and her 8-year-old son in the central Ukrainian city of Dnipro, officials said. The attack stretched past dawn, with explosions reverberating across cities. Officials said 16 people were killed in Dnipro and six in Kyiv. Residents of the capital have been on edge for days after Russia warned last week that a massive aerial attack was coming and told foreign diplomats to leave. None

appeared to heed the call and no embassies immediately reported damage Tuesday. Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy appealed for more U.S. and European support, describing the massive overnight attack as “an explicit statement by Russia: If Ukraine is not protected from ballistic missiles and other missile strikes, those strikes will continue.”

Putin has stepped up his aerial campaign against Ukraine, with Russian forces recently launching another of their powerful hypersonic Oreshnik ballistic missiles. Ukraine's shortage of air defense systems, in part because of depleted U.S. stocks from the Iran war, has left civilians especially vulnerable to ballistic missiles, even as Kyiv's defenses stop most of Moscow's drones.

A mother and daughter shelter in a bathtub
At least 81 people were wounded in the capital, said Tymur Tkachenko, head of the Kyiv City Military Administration. Iryna Salikova, 37, spent the night lying in a bathtub for protection with her 3-year-old

daughter, as blasts reverberated across the city. "Our window was broken. A cobblestone flew into the children's room," Salikova said, although they weren't hurt. "Thank God we're alive.



Today we're alive, today we're lucky."

Russia unleashed 73 missiles and 656 drones across Ukraine, according to the country's air force, with the main targets including Kyiv, Dnipro and the eastern cities of Poltava, Kharkiv and Zaporizhzhia. Ukrainian air defenses destroyed or suppressed 40 missiles and 602 drones. Dnipro Mayor Borys Filatov proclaimed

added that stronger action was needed.

"each of our trading partners must do more to ensure that trade does not perversely encourage and entrench forced labour globally". Under the proposal, countries that already enforce forced labour import bans, have committed to such measures under reciprocal trade agreements, or maintain partial safeguards against such imports would face an additional 10 per cent duty. "For all other economies, the US Trade Representative proposes 12.5 per cent as the rate of additional duty," the statement said.

The proposed 12.5 per cent additional tariff would apply to the 54 countries identified in the investigation. Separately, the USTR has proposed a textile mechanism that would permit a specified volume of apparel and textile imports from select countries to enter the US at lower tariff rates. The USTR has invited interested parties to submit requests to appear at hearings, along with testimony summaries, by June 22, while written comments can be submitted until July 6.

More than two lakh applicants paid USD 100,000 to fast-track their H-1B visa applications for employment in the United States during fiscal year 2026, Department of Homeland Security (DHS) Secretary Markwayne Mullin told a Senate panel on Tuesday. Testifying before the Senate Appropriations Subcommittee, Mullin said the DHS had received around 2.86 lakh H-1B applications so far in FY2026.

"We had 286,000 applicants a year to date for the H-1B visas, out of those, over 200,000 of them paid USD 100,000 to be able to come in because it allows us to process them in a little bit faster of a manner," Mullin said in response to a question from Senator Susan Collins regarding the shortage of doctors in rural America. According to Mullin, applicants who pay the fee have their cases processed in approximately 15 days, while standard applications take nearly 7.5 months. Collins highlighted the burden on rural healthcare providers, telling the subcommittee that a hospital in Presque Isle, northern Maine, recently paid the fee to recruit an overseas surgeon.

She argued that healthcare providers in underserved



regions should be treated differently from employers hiring skilled workers in sectors with larger domestic talent pools."Would you be willing to consider carving out an exemption for medical professionals from this fee when a community can demonstrate that there is not a medical professional available?" Collins asked. Mullin said the department would examine possible solutions and consider whether greater flexibility could be applied to such cases individually.

I would suggest that there's a huge difference between bringing in a computer expert from another country to work in wealthy California and Silicon Valley versus a much-needed surgeon to work at a rural hospital in northern Maine," she said. Republican Senator Lisa Murkowski of Alaska also raised concerns over teacher shortages in rural districts in her state.

Wednesday would be a day of mourning for the dead in his city. That announcement came 20 minutes before Filatov said another drone had struck a residential building there about 2:40 p.m. Putin seeks to change the narrative of the war

Putin is keen to generate some positive news from the conflict that began with Russia's February 2022 invasion of its neighbor and hasn't gone according to plan. Western officials and analysts say Ukrainian drones are pinning down Russian troops on the front line, choking Russian supply lines in occupied regions of Ukraine and disrupting oil facilities deep inside Russia that provide vital revenue for Moscow. That has made the war, which Moscow refers to as a "special military operation," more visible to Russians and increased pressure on Putin. U.S.-led peace efforts have fizzled out as the sides made no progress on key differences and after the war in Iran grabbed Washington's attention. Zelenskyy accepted an unconditional ceasefire demanded by U.S.

He missed the early part of the season and played just eight games this time around as he was recovering from an injury. He picked up eight wickets during this time. Australia's schedule next year is packed, beginning with a four-Test series in India during January and February. They will then host England in Melbourne for a one-off match commemorating 150 years of Test cricket in March, before embarking on a full Ashes campaign ahead of the ODI World Cup in southern Africa, which is set to take place in October and November. This has made Cummins as his assess options for IPL next season, saying that Tests and the ODI World Cup will be "Something has got to give at some stage next year and it's not going to be test matches or an ODI World Cup," Cummins told the Sydney Morning Herald on Wednesday. "I will make a call a lot closer and work with the franchise to see what makes sense. Things can change. I've had a couple of injuries pop up, so I don't really want to lock in anything." The priorities for me are always the test matches and that ODI World Cup. I dare say if I play all of India, I need some sort of break before a pretty gruelling Ashes series." Cummins' workload was carefully managed last summer, with the Australian captain featuring only in the Adelaide Ashes Test and sitting out the T20 World Cup while recovering from a persistent back issue. With fellow pace veterans Josh Hazlewood and Mitchell Starc also entering the latter stages of their careers, Australia are expected to weigh up rotation options, including giving the trio breaks during the home Test series against New Zealand around the turn of the year.

Meanwhile, the future of the sport takes centre stage in the junior events, where rising Indian star Arnav Vijay Paparkar faces a massive double-duty day. Paparkar first squares off against Jack Kennedy in the boys' singles third round, before teaming up with Kunanun Pantaratorn to challenge top seeds Luis Guto Miguel and Ziga Sesko in the doubles quarterfinals.

"I asked him, 'Why were you leaving? I told you to stay there.' He said, 'I thought it's happening like every year. I used to come here for junior trials and I never used to be part of the 30-member squad.'"



Sara Ali Khan

Celebrates 3 Years of Zara Hatke Zara Bachke, Thanks Vicky Kaushal And Laxman Utekar

Sara Ali Khan turned nostalgic as her film Zara Hatke Zara Bachke completed three years since its release. Marking the special occasion, the actress shared a heartfelt note on social media and expressed gratitude towards her co-star Vicky Kaushal and director Laxman Utekar for making the film a memorable experience.

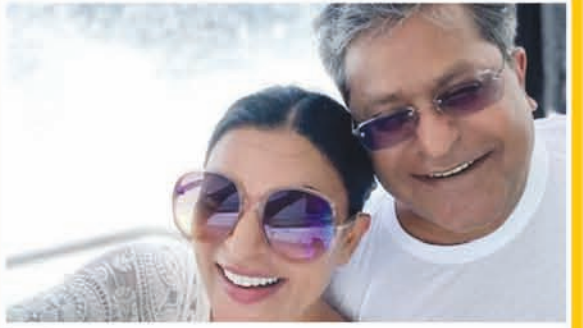
Taking to her Instagram handle, the actress shared the video and wrote, “3 years to Zara Hatke Zara Bachke. Thank you for all the love Missing @vickykaushal09 & @laxman.utekar sir @raghav_dop.” Fans reacted with heart emojis. One of the fans wrote, “Somu and Kappu, the cuties that won everyone’s heart and made #ZaraHatkeZaraBachke a super hit.” Another wrote, “Superhit somu kappu”.

Zara Hatke Zara Bachke revolves around the life of an Indore-based married couple, who is madly in love with each other. However, as they live in a joint family after their marriage, they struggle for privacy. In order to get their privacy, the couple fakes a divorce, battles all odds, and fakes a hundred fights only to have a flat for themselves, through a valid government scheme. Produced by Dinesh Vijan’s Maddock Studios, Zara Hatke Zara Bachke is directed by Laxman Utekar. The film marks the first collaboration between Vicky Kaushal and Sara Ali Khan. News18 Showsha’s review of the film reads, “Zara Hatke Zara Bachke is a clean entertainer and doesn’t come off as too preachy. It has family-friendly written all over it and has all the elements of a typical commercial Bollywood entertainer.”

She is currently seen with Ayushmann Khurrana, Wamiqa Gabbi, Sara Ali Khan and Rakul Preet Singh in Pati Patni Aur Woh Do. The film is about Prajapati Pandey who is a simple forest officer’s life. The trailer begins with Ayushmann Khurrana’s entry as Prajapati Pandey, a simple forest officer who lands in the midst of complete chaos as his one attempt to help a female friend lands him in complete trouble with not one, not two, but three women, played by Sara Ali Khan, Wamiqa Gabbi and Rakul Preet Singh. As the confusion snowballs into an all-out comedy of errors, Vijay Raaz enters as a cop, dialling up the chaos even further.



Lalit Modi Reveals Sushmita Sen 'Paid For Everything' During Their Relationship: 'I Was A Kept Boyfriend'



Back in July 2022, businessman and former IPL chairman Lalit Modi sent social media into a frenzy when he shared cosy holiday pictures with Bollywood actress and former Miss Universe Sushmita Sen, publicly revealing that they were dating. The photos quickly went viral, with many social media users questioning the relationship and labelling Sushmita a “gold digger” because of Modi’s wealth and public profile. Nearly four years later, Lalit Modi has finally reacted to those allegations head-on.

In a conversation with Humans of Bombay, the businessman confirmed that the relationship was real and strongly defended Sushmita against the criticism she faced. Calling her one of the most independent women he has known, he said the public perception of their relationship was completely wrong.

Speaking about Sushmita’s financial independence, Lalit said, “Sushmita, please understand, is a very beautiful and a very well-to-do lady. I don’t know if anybody knows this, but she has more diamonds than anybody I know on the planet. And she has earned it herself, and she has diamond stores. So she’s a very wealthy lady. She has done it all on her own. There wasn’t a time I went out with Sushmita that I had to pay for anything. She paid for everything. I was like a kept boyfriend. So Sushmita is a woman that is very proud, and I’m going to say this very happily, and she is the remarkable lady and the self-made lady, self-made lady, and she will never accept anything from anybody.”

The businessman, who has been based in London for several years and is best known for founding the Indian Premier League (IPL), said the narrative surrounding Sushmita was unfair from the very beginning. He insisted that if anyone benefited from the relationship, it was him. He said, “So when somebody says she’s a gold digger, no, Lalit was a diamond digger. It wasn’t she was a gold digger. I was hoping that I was a diamond digger as far as she was concerned, because she was truly a diamond. And as far as I’m concerned, she could have anybody on the planet she wanted. It was never about money. It was never about anything else. And she is extremely well-to-do. I mean, she can buy what she wants and do what she wants and probably buy anybody she wants on the planet, without a doubt.”

'You Can't Really Control...': Madhuri Dixit On Kalank Failure After Varun Dhawan Said It 'Shook Him Up'



Varun Dhawan, Alia Bhatt, Sonakshi Sinha, Aditya Roy Kapur, Madhuri Dixit, and Sanjay Dutt’s Kalank was released in 2019.

Despite featuring a stellar star cast and a larger-than-life setup, the Abhishek Varman directorial failed to impress the audience. While the film generated significant buzz ahead of its release and was praised for its grand visuals, lavish sets, and soulful music, it struggled to connect with viewers due to its weak storytelling and pacing issues. The film ended up underperforming at the box office. Recently, Madhuri Dixit, who played the role of Varun’s mother Bahaar Begum, opened up about the film’s failure. Earlier, this role was supposed to be played by Sridevi, who passed away in 2018.

While speaking to SCREEN, Madhuri Dixit reflected on Kalank’s poor box office performance. She said, “You do your best, and put it out there. And then whatever happens, happens. You can’t really control that. I’m sure there are a lot of people who’ve seen it. But by and large, there are other factors why a film doesn’t do well. So, we basically leave it at that. I’ve done my best, and at some point, somebody will watch it.” Recently, the discussion around Kalank started after Varun spoke about the film. During his chat with his father, David Dhawan, the actor said that it affected him very deeply. He said, “When I had my first flop, it shook me up very badly. Until then, there was a streak of success. I never understood it because I had worked very hard on that film.

It was the hardest we had worked as a team, so we didn’t understand why it didn’t work.” Reacting to the same, David Dhawan added, “The film I got disappointed with was a very big one, I think Karan (Johar, producer) must have sold his last shirt also for it, it was Kalank. I also asked Sanjay Dutt if he did the film just because Madhuri Dixit was in it. Sanjay was very upset about doing that film.

“Kalank was originally conceived by filmmaker Karan Johar and his late father Yash Johar in 2004. At the time, the project was reportedly envisioned with an ensemble cast featuring Shah Rukh Khan, Kajol, Rani Mukerji, and Ajay Devgn. However, following Yash Johar’s passing, Karan chose not to helm the film.

Anushka Sharma

Virat Kohli Visit Premanand Maharaj After RCB’s IPL 2026 Win

Bollywood actress Anushka Sharma and her husband, the Indian cricket legend Virat Kohli, paid a visit to Vrindavan to meet the Gurudev of Premanand Maharaj on Tuesday. Premanand Maharaj is reportedly giving time to the couple in a solitary abode. In the videos and pictures circulating online, the couple can be seen wearing face masks and strolling in the premises. This comes after Kohli’s team, Royal Challengers Bengaluru, lifted the IPL trophy recently for the 2nd consecutive time. RCB squared off against the Gujarat Titans in the IPL 2026 finale, as they successfully defended their title in IPL 2026. They defeated the Gujarat Titans by five wickets in the final at Ahmedabad.



The season’s leading run-scorer was Vaibhav Suryavanshi, who amassed 776 runs and broke several batting records during a remarkable campaign. Virat Kohli finished among the tournament’s top performers and capped the season with a match-winning knock in the final. RCB’s win in the IPL 2026 finale made them the third franchise in IPL history to win back-to-back titles, cementing their status as the dominant team of the 2025–26 era.

Meanwhile, Anushka has been away from the screen for almost 4 years. Her sports biopic ‘Chakda Xpress’ based on Indian pace legend Jhulan Goswami has been shelved. The actress was last seen in a cameo appearance in the streaming film ‘Qala’ starring Triptii Dimri. The film was directed by Anvita Dutt, and was produced by Anushka’s brother Karnesh Ssharma.

